>

Title: Need to conduct judicial inquiry of the Communal riots in Bareilly.

SHRIMATI MANEKA GANDHI : I am going to simply put down the facts of the matter because this is a problem that concerns the whole House. It is not communal. It is a law and order problem that needs to be dealt with by all of us.

Fifteen days ago it was Holi. Every community respects every other community's religious festivals. On that day when people were celebrating Holi, the Administration allowed a march to take place in those areas which were celebrating Holi, for no reason at all. It was the Prophet's birthday two days before. A march had taken place and it had gone beautifully without any problem at all. Again, for no reason, the same march was allowed to take place on the day of Holi and this went through areas which were celebrating a completely different sort of festival. It was an aggressive, very determined march which was allowed to carry weapons. It was organised by a person there who has been several times before arrested for communal violence.

Predictably, there was conflict. Fifty-five shops and houses were burnt. Women and children were beaten. They were chased into their own houses. There was a major problem. This led to a great deal of resentment. The Administration moved at that point quite fast and it arrested this person and immediately a certain kind of quiet settled down because it was seen that justice had been done. The city was put under curfew. When it was put under curfew it was expected that this curfew would last a day, everybody's tempers would cool down and then business would go back to normal in a city that is not known for communal violence.

The normal law is that when curfew is put courts do not function on that day, justice is delayed till the curfew is lifted. That is because nobody can come out of their houses, nobody can give witness, nobody can tell the police what actually happened. Strangely the State Government immediately transferred the District Magistrate, the SSP and all the senior officials; and helicoptered in completely new officials from other Districts. And immediately, in the evening the police gave a final report, bypassing charge-sheets and investigations and everything, on a day of curfew and the Judicial Magistrate immediately declared this person exonerated on all charges *ba-izzat bari;* and this gentleman, who was wanted in so many *dafaas* that it would have led to one hundred years of imprisonment, was let out and walked through the street accompanied by three thousand people.

This has led to great heartburn and every single day there has been retaliation on one community or another because justice has not been seen to be done. Each community in Uttar Pradesh today feels unsafe. If you can remove District Administrations that are simply doing their job, if you can deliberately go out of your way to create communal disharmony, then no community is safe.

I have a part of the city as my Constituency. I went because I go every week to my Constituency in order to work there. That is why I have been elected. I was not only going on my normal tour but I was member of a three-member Committee appointed by the BJP, of which hon. Yogi Aditya Nath and Rajendra Agrawalji were part, simply to see what could be done. We had no intention to do anything else other than meet the Administration and find out how we could help.

I was stopped in Ghaziabad. Yogi Aditya Nath was stopped in Barabanki. Rajendra Agrawal was stopped in Shahabad. Whether they were stopped or not, the point is, this is my Constituency and I was not allowed to enter. I was allowed to go to the next Constituency escorted by ten police vehicles as if I was the problem. And I sat in Badaun with hundreds of policemen on alert all over to see that I did not jump into my own Constituency.

I gave the Press Conference and came back.

MR. CHAIRMAN : Please wind up. You made your point.

SHRIMATI MANEKA GANDHI : My point is, firstly, I demand a Judiciary Inquiry into the entire Bareilly incident. Secondly, I would like the Government to step in at this point and be pro-active. Today, it is in Bareilly, but every single city in Uttar Pradesh is sitting on a powder keg. You cannot have a rally, as hon. Mulayam Singh ji, and everybody else has pointed out; you cannot have a *maha* rally forcing people into buses and trucks to take them to Lucknow from Bareilly itself, in the evening, there was a peace march. The peace march was to be led by whom? The same person who had been arrested and released! Do you know how many children have been put into jails simply for throwing colours on the CM's posters during Holi. You can go to jail for throwing colour on a poster but you cannot go to jail for setting fire to shops, for beating women. It is not Bareilly that is the problem; it is the whole of Uttar Pradesh. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: It is not a debate.

...(*Interruptions*)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदय, मैंने इस विषय पर नोटिस दिया है।

MR. CHAIRMAN: I am giving time to Shri Yogi.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमें भी इस विषय पर कुछ कहना है इसलिए हमें भी मौका दिया जाए।

योगी आदित्यनाथ : सभापति महोदय, पिछले 14 दिनों से बरेली में कर्फ्यू लगा हुआ है। जैसा मेनका जी ने बताया कि होली के दिन हिन्दू बाहुल्य मोहल्लों से जबर्दस्ती बारावफात का जुलूस ले जाया गया।...(व्यवधान) यह बीच में क्यों बोल रहे हैं...(व्यवधान) बारावफात 27 फरवरी को था। पहली मार्च को बारावफात का जुलूस ले जाने का कोई मतलब नहीं था। वहां के प्रशासन ने होली के दिन, यह जानते हुए की कि यह परम्परागत पर्व है, उस दिन जुलूस ले जाने की अनुमति देना ही पूर्ण रूप से अनैतिक था और वहां पर अराजकता फैलाने की दृष्टि से था। उत्तर प्रदेश सरकार और वहां का जिला प्रशासन इस बात के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। महोदय, यह एक साजिश है, उत्तर प्रदेश को दंगों की चपेट में लाकर पूरे प्रदेश में अराजकता फैलाने की। जानबूझकर जुलूस में चलने वाले उपद्रवी तत्वों ने चुन-चुनकर वहां के हिन्दू मोहल्लों को निशाना बनाया, घरों को लूटा, आगजनी की, तोड़फोड़ की और अराजकता का पूरा तांडव किया। पूरा प्रशासन मौन बना हुआ था। उसके बाद इस सदन में यह आवाज उठाई भी गई थी। लेकिन इस सम्पूर्ण उपद्रव के लिए जिम्मेदार आई.एम.सी. का एक सरगना है। दुर्भाग्य से हम न्याय की उम्मीद किससे करें। पिछले चुनावों में उसने कांग्रेस पार्टी को सपोर्ट किया था। आज यह साबित हो चुका है कि कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी पूरे प्रदेश में अराजकता फैलाना चाहती हैं। बरेली की घटना इस बात को प्रदर्शित करती है कि उस व्यक्ति को, यह जानते हुए कि उसके खिलाफ मुकदमा है, उसे बिना शर्त रिहा कर दिया गया। रिहा होते ही उसने फिर हिन्दू मोहल्लों में, पंजाबी मोहल्लों में जाकर तोड़फोड़, आगजनी प्रशासन की मौजूदगी में की। जब उन पीड़ित लोगों ने प्रशासन से न्याय की गुहार की, तो उन लोगों को न्याय देने की बजाए जेल में बंद कर दिया गया। वहां पर महिलाओं और बच्चों के साथ अत्याचार हुआ। लगातार एक पक्षीय कार्रवाई वहां पर प्रदेश सरकार के इशारे पर स्थानीय प्रशासन कर रहा है। वहां के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है, खास तौर से वहां के आयुक्त की भूमिका। उसे देखने की आवश्यकता है, क्योंकि यह बसपा और कांग्रेस पार्टी दोनों मिलकर उत्तर प्रदेश में दंगा फैलाना चाहते हैं, अराजकता पैदा करना चाहते हैं इसलिए हम मांग करेंगे कि उच्चतम न्यायालय के किसी सिटिंग जज से इस मामले की जांच कराई जाए। कांग्रेस पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पूरे प्रदेश को अराजकता की भट्टी में झोंकना चाहते हैं।

MR. CHAIRMAN: Nothing should not go on record.

*(Interruptions) â€¦**

योगी आदित्यनाथ : हम चेतावनी देना चाहते हैं कि बरेली में अगर शांति नहीं हुई,...(व्यवधान) एक पक्षीय कार्रवाई हुई तो कहीं पूरे प्रदेश में उसकी आग न लगे।

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री मुलायम सिंह यादव : सभापति महोदय, जहां तक बरेली के दंगे का सवाल है, यह सही है कि पूरी तरह से वहां का जिला-प्रशासन और सरकार इसके लिए जिम्मेदार है। जिस व्यक्ति का नाम आपने नहीं लिया है, मैं भी नहीं लूंगा, उस व्यक्ति को अगर गिरफ्तार न किया जाता तो ऐसा दंगा नहीं होता। वह व्यक्ति अपनी कौम में एक माननीय व्यक्ति है, तो जिला प्रशासन को उससे बातचीत करनी चाहिए थी कि आपका क्या हाथ है, आप शांति करेंगे या नहीं। लेकिन यह बात गलत है कि कार्रवाई एक-तरफा हुआ है, एक-तरफा नहीं हुआ है। ...(व्यवधान) एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने की वजह से दोनों तरफ तनाव हुआ है और इसके लिए दोनों तरफ के लोग जिम्मदार हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Nothing, except what Shri Mulayam Singh says, will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री मुलायम सिंह यादव : इसके लिए सरकार और पुलिस, दोनों जिम्मेदार हैं। वह व्यक्ति अकेला जिम्मेदार नहीं है। अगर महन्त जी मैंने आपको गिरफ्तार कर लिया होता तो बहुत बड़ा दंगा हो जाता, मैंने आपको छोड़ दिया था। आपको हम गिफ्तार करके जेल भेज देते तो ज्यादा तनाव होता, लेकिन मैंने आपको छोड़ दिया था और तनाव नहीं हुआ था। यह आरोप लगाना कि वह माइनोरिटी का आदमी है, यह तो सीधा-सीधा आरोप मुसलमानों पर लगाते हैं, ऐसा नहीं है। दंगे में सबसे ज्यादा नुकसान बरेली में, अगर किसी का हुआ है तो मुसलमानों का हुआ है, चाहे सम्पति का हुआ हो या इंसान की मार-पीट का हुआ हो। हम हिंदू हैं, हम इनसे ज्यादा हिंदू हैं, हम हनुमान जी को मानते हैं, हनुमान चालीसा पढ़कर आते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हम हिन्दू के विरोधी हैं।

MR. CHAIRMAN: You have made your point.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: No cross- talking please.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing should go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: When you were speaking nobody disturbed you.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please, respect the Chair. I gave you a chance to speak.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Whatever Shri Yogi Aditya Nath is saying will not go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MR. CHAIRMAN: You have made your point. Please sit down.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं दो बार उस इलाके से मैम्बर रहा हूं, एक बार ये मैम्बर रहे हैं, एक बार रामपाल रहे हैं, हम वहां के बारे में ज्यादा जानते हैं। इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि वहां की सरकार ने रैली में कैसे इतने लोग भेज दिये, हजारों लोग रैली में कैसे पहुंच गये। इसलिए वहां की सरकार सबसे ज्यादा जिम्मेदार है, सबसे ज्यादा गलती आपकी है। आपने अभी तक सदन को जानकारी क्यों नहीं दी है, आपको जानकारी देनी चाहिए। लोक सभा के मैम्बर धर्मेन्द जी को वहां जाने के रोक दिया गया। हम दो बार बदांयु से लोक सभा के मैम्बर रहे हैं, वहां से एमएलए रहे हैं...(व्यवधान) अब जो भाषण दिये जा रहे हैं ये दंगा भड़काने के लिए दिये जा रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि वहां आप किसी को भी भेजकर जांच करा लो, वहां मुसलमानों का नुकसान ज्यादा हुआ है, आज बरेली में सबसे ज्यादा परेशानी मुसलमानों को है। ...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : आपने इतना बोल लिया, not like this, अपने हिसाब से हाउस को चलाने का तरीका ठीक नहीं है। सर, आपने बोलने का मौका दिया, दूसरी बार खड़े हुए, तीसरी बार खड़े हुए, ये बंद ही नहीं होते। What is this?

MR. CHAIRMAN: How to tell them? Nothing is going on record. Please sit down.

...(*Interruptions*) *â€¦**

SHRI ASADUDDIN OWAISI (HYDERABAD): Sir, I would just like to clarify one point. What the hon. Lady Member has said is completely untrue.

The *mela/juloos* was postponed for two days because of Holi. Secondly, the hon. Gentleman whom she is referring to has millions of followers throughout India. Their organisation is known for peaceful methods. Thirdly, I would like the hon. Lady Member to condemn in the same way how a Muslim Police Inspector was shot at in Gujarat. Why does she not talk about that?...(*Interruptions*) What about that? ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please do not mix up the issues.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**